

**वंशनालिका स्त्री.** (तत्.) 1. बाँस की नली, वंशनलिका  
2. बाँसुरी।

**वंशपत्र पुं.** (तत्.) 1. बाँस का पत्ता 2. उसी प्रकार  
की आकार वाली एक घास, नरकुल नामक घास।

**वंशपत्रक पुं.** (तत्.) हरताल नामक एक खनिज।

**वंशपत्रपतित पुं.** (तत्.) काव्य. सत्रह वर्णों का एक  
छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः भगण,  
रगण, नगण, भगण, नगण और लघु, गुरु वर्ण  
आते हैं।

**वंशपरंपरा स्त्री.** (तत्.) 1. वंशक्रम सूची 2. वंश की  
परंपरा।

**वंशलोचन पुं.** (तत्.) दे. वंशकपूर।

**वंशवितति स्त्री.** (तत्.) 1. वंश का फैलना,  
वंशविस्तार 2. बाँस का जंगल।

**वंशवृक्ष पुं.** (तत्.) रेखाचित्र के रूप में प्रस्तुत वंश-  
परिचय जिसमें मूलपुरुष से प्रारंभ करके अंतिम  
या वर्तमान वंशज तक की नामावली प्रस्तुत की  
जाती है।

**वंशसमूह पुं.** (तत्.) किसी ऐतिहासिक या प्रमुख  
व्यक्ति की पाँच-छः पूर्व पीढ़ियों में होने वाले  
सभी नाते-रिश्तेदारों के वंशों का समूह।

**वंशस्थ पुं.** (तत्.) 1. वंश में स्थित 2. काव्य.  
बारह वर्णों का एक छंद जिसके प्रत्येक चरण में  
क्रमशः जगण, तगण, जगण और रगण प्रयुक्त  
होते हैं।

**वंशहीन वि.** (तत्.) जिसका वंश समाप्त हो अर्थात्  
आगे बढ़ने की संभावना न हो, संतानहीन,  
निस्संतान, पुत्रहीन।

**वंशांकुर पुं.** (तत्.) बाँस का अंकुर या अँखुआ।

**वंशागत वि.** (तत्.) वंशपरंपरा से प्राप्त (विद्या,  
गुण, संपत्ति आदि)।

**वंशागति स्त्री.** (तत्.) वंशागत होने का भाव,  
उत्तराधिकार।

**वंशाटवी स्त्री.** (तत्.) बाँस का जंगल।

**वंशानुक्रम पुं.** (तत्.) दे. वंशपरंपरा।

**वंशानुक्रमिक वि.** (तत्.) वंशानुक्रम के अनुसार।

**वंशानुचरित पुं.** (तत्.) वंश का अनुचरित्र या  
इतिहास।

**वंशावली स्त्री.** (तत्.) वंशक्रम सूची दे. वंशपरंपरा।

**वंशिका स्त्री.** (तत्.) एक प्रसिद्ध वाद्य यंत्र जो  
बाँस में छेद करके बनाया जाता है तथा फूँककर  
बजाया जाता है, बाँसुरी, मुरली।

**वंशी स्त्री.** (तत्.) दे. वंशिका वि. 1. वंश में उत्पन्न  
जैसे- भरतवंशी 2. बाँस से निर्मित या संबंधित  
3. दे. वंशकपूर।

**वंशीधर पुं.** (तत्.) 1. श्रीकृष्ण का एक नाम 2.  
बाँसुरी बजाने वाला व्यक्ति।

**वंशीय वि.** (तत्.) वंश से संबंधित या उसमें उत्पन्न।

**वंशीवट पुं.** (तत्.) वृदावन में स्थित बरगद का पेड़  
जिसके नीचे कृष्ण बाँसुरी बजाते थे।

**वंशोद्भूत वि.** (तत्.) वंश में उत्पन्न।

**वंश्य वि.** (तत्.) वंश का या उससे संबंधित।

**वंशाटवी स्त्री.** (तत्.) वंशाटवी, बाँस का जंगल, बाँस  
का झुरमुट।

**वक पुं.** (तत्.) 1. बक, बगुला नामक पक्षी 2. कुबेर  
3. अगस्त वृक्ष या उसका फूल।

**वकअत स्त्री.** (अर.)मान,प्रतिष्ठा,महत्ता, मूल्यवत्ता।

**वकजित् पुं.** (तत्.) वकासुर का संहार करने वाले  
श्रीकृष्ण।

**वकजेता पुं.** (तत्.) दे. वकजित्।

**वकवृत्ति स्त्री.** (तत्.) बगुले की तरह साधुवेश में  
रहते हुए धोखा देने की वृत्ति।

**वकव्रत पुं.** (तत्.) बगुले की तरह ध्यानावस्था,  
कपट।

**वकाइन पुं.** (देश.) नीम की तरह का एक वृक्ष,  
जिसके पत्ते नीम के जैसे परंतु कुछ बड़े और